

नम्बर व जारी
वर्ष का महीना
दिनांक


नम्बर व जारी
वर्ष का महीना
दिनांक

नारीक
दुबम

दुबम वा कायवाही मय इतिफियन्म जज

16 ⁸/₂₂

पत्रावली बेश हुई उभय पक्ष उपस्थित पिठासीन
अधिकारी का स्थानान्तरण/बीर अवकार में पधारं
हैं/अन्ध राजकार्य में व्यस्त है/अतः अवकाश
पत्रावली साबिक आदम दिनांक.../... को पत्र बीर


जाका से
बीडर

01/12/92 पत्रावली पैशा हुई। वकील वादी
उपरिच्युता पत्रावली का अवलोकन किया
जाया। पत्रावली में वाद पत्र में
वकील वादी/वादी ने कही वही भूमि
की किरा-त्र। वर्गीकरण नहीं लिखा
जाया है। परन्तु सिलेजन दस्तावेजों
मय जात्रावेदी व खसरा मिलान के
अवलोकन से यह स्पष्ट है कि वाद
पत्र में वर्णित ~~आबादी~~ भूमि को सन
1955 में ही पर्याप्त जारी कर आबादी
धीषित कर दी गयी थी। जो 1979 में
राजस्व रेकार्ड में आबादी दर्ज दृष्टी
वर्तमान जात्रावन्दी अनुसार जो
वाद पत्र में वर्णित भूमि आबादी
किरा-त्र की है।

राजस्थान रिजिस्ट्री अधिनियम
1955 की धारा 5(24) में भूमि की
परिभाषा दी गयी है जिसमें स्पष्टतः
लिखा गया है कि "आबादी भूमि
इसमें सम्मिलित नहीं है..."



कार्य
क्रम

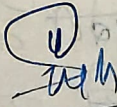
द्वय या कार्यवाही मय इनिशियल्स बज

नम्बर व त
अटकाम जे
द्वय की त
में जारी

अतः राजस्थान रिजिस्ट्री अधिनियम
वाक में वाणिज्य भूमि पर लागू नही
होता है अतः उपरोक्त अधिनियम
की धारा 88, 89, 92-क, 188 उक्त
भूमि पर लागू नही होता है।

अतः वाक उपरोक्त धाराओं के
संदर्भ में व भूमि की परिभाषा के
संदर्भ में पौषणीय नही है अतः
इसी स्तर पर खारिज किया जाता
है।

पत्रावली संसुल शुभार दीकर
नम्बर से काम हों।


01/12/22